Publication: The Economic Times

Headline: Rise in gold prices will take silver sales to new high

Edition: All Editions

Date: 19th August, 2011

Coverage

गोल्ड में तेजी से त्योहारों के दौरान चांदी काटेगी सिल्वर

पिछले वित्त वर्ष चांदी की खपत 2,800 टन थी, इस बार 3,000 टन पार हो सकता है आंकड़ा

सुतानुका घोषाल

कोलकाता।

सोने की कीमतें आम लोगों की पहुंच से बाहर हो जाने के कारण इस त्योहारी सीजन में चांदी की मांग में इजाफा होने वाला है। इस साल अप्रैल में चांदी की मांग 600 टन से ज्यादा हो गई और सर्राफा डीलरों का मानना है कि वित्त वर्ष 2012 के दौरान देश में चांदी खपत पिछले वित्त वर्ष की तुलना में ज्यादा रह सकती है। पिछले वित्त वर्ष में देश में चांदी की खपत 2,800 टन थी। बाजार से मिल रहे शुरुआती संकेतों के मुताबिक, मौजूदा वित्त वर्ष में चांदी की खपत 3,000 टन को पार सकती है।

देश में चांदी की ज्यादा मांग महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और दिल्ली समेत सलेम, कोल्हापुर और राजकोट जैसे शहरों से पैदा हो रही है। बॉम्बे बुलियन एसोसिएशन के प्रेसिडेंट पृथ्वीराज कोठारी का कहना है, 'भारत में चांदी की मांग न केवल ज्वैलरी के सेगमेंट से बढ़ रही है, बल्कि उद्योगों की ओर से भी इसमें इजाफा हो रहा है। चांदी का इस्तेमाल सोलर फोटोवोल्टिक सेल्स, रक्षा क्षेत्र, सैटेलाइट वगैरह के साथ कम्प्यूटर से जुड़े उद्योगों में भी किया जाता है। इस वजह से चांदी की मांग में और बढ़ोतरी होने की संभावना है।'

कोठारी का यह भी कहना है कि इस साल मानसून अच्छा रहने की संभावना है जिसकी वजह से भी चांदी की मांग बढ़ेगी क्योंकि किसान इस बार चांदी की ज्यादा खरीदारी करेंगे। ग्रामीण भारत में चांदी को निवेश के एक विकल्प के तौर पर देखा जाता है। कोठारी कहते हैं, 'फिलहाल, सोने की कीमत ऊंची बनी हुई है इसके कारण किसान निवेश के नजरिए से चांदी की ज्यादा खरीदारी करने की कोशिश करेंगे।' दिल्ली के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी 300 रुपए उछलकर 61,300 रुपए प्रति किग्रा. हो गई, जबकि मुंबई में यह 455 रुपए की बढ़ोतरी के साथ 61,545 रुपए प्रति किग्रा. रही। दूसरी ओर, सोना मुंबई में 395 रुपए बढ़कर 26,790 रुपए प्रति 10 के नए स्तर पर पहुंच गया। दिल्ली में भी गोल्ड ने 160 रुपए चढ़कर 26,840 रुपए प्रति 10 ग्राम का नया रिकॉर्ड बनाया। निवेश सलाहकारों का कहना है कि चांदी के उत्पादों के प्रति निवेशकों की मांग बढ़ने के कारण साल 2011 में सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड की चमक और बढ़ सकती है। बीएनपी पारिबा की एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल सिल्वर ईटीएफ और दूसरे उत्पादों में अच्छा-खासा निवेश हो सकता है। आम तौर पर चांदी में निवेश दो तरीकों से होता है। पहला, सिल्वर ईटीएफ में और दूसरा ठोस चांदी की खरीदारी के तौर पर। दोनों ही श्रेणियों में इन दिनों चांदी की मांग बढ़ती जा रही है। नकोडा बुलियन के डायरेक्टर ललित जगावत का कहना है, 'अगले 15 दिनों के भीतर चांदी की मांग में अच्छा-खासी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। लोग चांदी के सिक्के, बार और दूसरे उत्पाद खरीदेंगे। निश्चित तौर पर, सोने की कीमतों में आई तेजी के कारण लोग निवेश के लिए चांदी को चुनेंगे। साथ ही, चांदी के सिक्कों और बार दोबारा बेचना ज्यादा आसान होता है।' हालांकि, ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी ट्रेडर फेडरेशन के चेयरमैन बच्छराज बामालवा का कहना है कि यदि ज्वैलरी के लिहाज से देखा जाए तो लोग सोने की जगह चांदी शायद ही पसंद करें।

> “अगले 15 दिनों के भीतर चांदी की मांग में अच्छी-खासी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। लोग चांदी के सिक्के, बार और दूसरे उत्पाद खरीदेंगे। निश्चित तौर पर, सोने में आई तेजी के कारण लोग निवेश के लिए चांदी को चुनेंगे”
>
> **ललित जगावत**
> **नकोडा बुलियन के डायरेक्टर**